बी.आर.पी.ए–101

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2018 एवं जनवरी 2019 सत्रों के लिए)

रेडियो लेखन में व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम
पाठ्यक्रम कोड : बी.आर.पी.ए–101

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

रेडियो लेखन में व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य 2018–19

पाठ्यक्रम : बी.आर.पी.ए.–101टी.एम.ए. / 2018.19

प्रिय छात्र / छात्राओ,

रेडियो लेखन से संबंधित व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम में आपको कुल एक सत्रीय कार्य करना है। यह शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2018 सत्र के लिए	:	**31 मार्च 2019**
जनवरी 2019 सत्र के लिए	:	**30 सितंबर 2019**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्यों में दो प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं – सैद्धांतिक और व्यवहारिक लेखन से संबंधित प्रश्न।

उत्तर देने के लिए अगर आप निम्नलिखित विधि से तैयार करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और

घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी में व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम
रेडियो लेखन
सत्रीय कार्य : 2018–19

पाठ्यक्रम कोड : बीडीपी/बी.आर.पी.ए.–101
सत्रीय कार्य कोड : बी.आर.पी.ए.–101/टी.एम.ए./2018-19
कुल अंक : 100

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए। : 10X10=100

1. आकाशवाणी की विभिन्न सेवाओं का परिचय दीजिए।
2. जनसंचार माध्यम के रूप में रेडियो की प्रमुख शक्ति क्या हैं? स्पष्ट कीजिए।
3. छपे माध्यम के लिए लेखन तथा रेडियो के लिए लेखन में क्या-क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।
4. रेडियो पर प्रसारित होने वाले विभिन्न संगीत कार्यक्रमों की जानकारी दीजिए।
5. 'भारत की सांस्कृतिक विविधता' विषय पर दस मिनट की रेडियो परिचर्चा तैयार कीजिए।
6. किसी स्कूल अथवा कॉलेज में मनाए गए वार्षिक समारोह का रेडियो रिपोर्ट तैयार कीजिए।
7. विशेष श्रोता समूह कार्यक्रम की जानकारी सोदाहरण दीजिए।
8. रेडियो पर प्रसारण के लिए एक गीतों भरी कहानी तैयार कीजिए।
9. दूर शिक्षा के क्षेत्र में रेडियो की भूमिका पर प्रकाश डालिए।
10. 'देश के विकास में युवाओं की भूमिका' विषय पर एक वार्ता तैयार कीजिए।